कe

ज़रिद सैन्स
29LT Zarid
Sans D L

Year Published
2022

Name Meaning
Strong / Robust / Bold

Type Styles
Sans Serif / Humanist **(Devanagari Script)** D
Sans Serif / Humanist **(Latin Script)** L

Type Category
Text / Display

Number of Styles
8 Styles

Features
Accents Positioning, Required Ligatures, Standard Ligatures, Discretionary Ligatures, Stylistic Sets, Set of Figures, Fractions, Devanagari OpenType +

Number of Glyphs
1255 Glyphs

Type Designers
Kimya Gandhi
(Devanagari Script)
Jan Fromm
(Latin Script)

Languages Brief *(Full list at the end of the specimen)*

- Eastern European, Central European, Western European, North American, and South American languages written in the Latin script.
- Hindi, Marathi, Nepali, Sanskrit, Awadhi, Bhili, Bhojpuri, Garhwali, Gujari, Konkani, Kumaoni, Magahi, Maithili, Marwari, Newari, Sindhi and many others.

अभिलेखात्मक वास्तुगत अक्षरीकरण

Simplicity & Comprehension

साहित्य और तितलियां मनुष्य के दो मधुर ज्ञात भावनाएं होती हैं

लेखनकलाकार

Type is the Meadow of Science

greatest enigma

वर्णात्मक चिह्नावली

Exquisite typography makes the truth clearer

लिखते थे हम स्लेट पर

PENS ARE THE MOUNTS OF BRILLIANCE

वे अक्षर बड़े आजाद थे

36 pts.

Thin

Type is a spiritual geometry
गद्य जीवन संग्राम की भाषा है

ExtraLight

Type is a spiritual geometry
गद्य जीवन संग्राम की भाषा है

Light

Type is a spiritual geometry
गद्य जीवन संग्राम की भाषा है

Regular

Type is a spiritual geometry
गद्य जीवन संग्राम की भाषा है

Medium

Type is a spiritual geometry
गद्य जीवन संग्राम की भाषा है

SemiBold

Type is a spiritual geometry
गद्य जीवन संग्राम की भाषा है

Bold

Type is a spiritual geometry
गद्य जीवन संग्राम की भाषा है

Black

Type is a spiritual geometry
गद्य जीवन संग्राम की भाषा है

55 pts.

Thin
कलम और काली स्याही

ExtraLight
कलम और काली स्याही

Light
कलम और काली स्याही

Regular
कलम और काली स्याही

Medium
कलम और काली स्याही

SemiBold
कलम और काली स्याही

Bold
कलम और काली स्याही

Black
कलम और काली स्याही

30/34 pts.

Thin

वाटोळें सरळें मोकळें। वोतलें मसीचें काळें। कुळकुळीत वळी चालिल्या ढाळें। मुक्तमाळा जैशा ॥ २ ॥

ExtraLight

अक्षरमात्र तितुकें नीट। नेमस्त पैस काने नीट। आडव्या मात्रा त्या हि नीट। आर्कुलीं वेलांड्या ॥ ३ ॥

Light

पहिलें अक्षर जें काढिलें। ग्रंथ संपेतों पाहात गेलें। येका टांकेंचि लिहिलें। ऐसें वाटे ॥ ४ ॥ अक्षराचें काळेपण ।

Regular

टांकाचें ठोसरपण। तैसेंचि वळण वांकाण। सारिखेंचि ॥ ५ ॥ वोळीस वोळी लागेना । आर्कुली मात्रा भेदीना ।

Medium

खालिले वोळीस स्पर्शेना। अथवा लंबाकार ॥ ६ ॥ पान शिषानें रेखाटावें । त्यावरी नेमकचि ल्याहावें ।

SemiBold

दुरी जवळी न व्हावें। अंतर वोळींचे ॥ ७ ॥ कोठें शोधासी आडेना । चुकी पाहातां सांपडेना ।

Bold

गरज केली हें घडेना। लेखकापसुनी ॥ ८ ॥ ज्याचें वय आहे नूतन। त्यानें ल्याहावें जपोन ।

Black

जनासी पडे मोहन। ऐसें करावें ॥ ९ ॥ बहु बारिक तरुणपणीं । कामा नये म्हातारपणीं ।

55 pts.

Thin

Typography is a craft

ExtraLight

Typography is a craft

Light

Typography is a craft

Regular

Typography is a craft

Medium

Typography is a craft

SemiBold

Typography is a craft

Bold

Typography is a craft

Black

Typography is a craft

30/32 pts.

Thin

Giving concrete shape to abstract concepts is one of the techniques used in Indian sacred art.

ExtraLight

From Formless arises the form says one of the ancient sutras from Vastusutra Upanishad.

Light

Giving physical shape to an abstract concept is considered of help in explaining this idea.

Regular

It is equivalent to creating a model. Many conventions exist for such representations.

Medium

The word ‘matrika’ stands for alphabet, & has the meaning ‘little mother goddess’.

SemiBold

Together all the letters of the alphabet encompass the whole realm of knowledge.

Bold

The practice of worshipping letters of alphabet has existed all over India.

Black

The Sanskrit word for a letterform is ‘Akshara’, which means imperishable, that which cannot be destroyed.

26/30 pts.

Thin

अभिलेखात्मक अक्षरीकरण का इतिहास लिखने के इतिहास, अक्षर के रूपों के विकास तथा हाथ की कला के साथ काफी गहराई से जुड़ा हुआ है। A quick brown fox jumps over the lazy dog.

Regular

भारतीय दृष्टिकोण सदा अध्यात्मवादी रहा है। किसी भी भौतिक कृति को जो थोड़ी भी आश्चर्यजनक होती है तथा जिसमें नवीनीकरण रहता है उसे दैवीय कृति माना जाता है। Benjamín pidió una bebida de kiwi y fresa; Noé, sin vergüenza, la más exquisita champaña del menú del restaurante.

Medium

जे इतिहासाचा अभ्यास करत नाहीत ते अखेर पुन्हा पुन्हा तीच चूक करत राहतील. जे अभ्यास करतात ते असेच अगतिकतेने बाजूस उभे राहून पुन्हा चूक करणाऱ्यांना पाहत राहतील. Falsches Üben von Xylophonmusik quält jeden größeren Zwerg.

Bold

भारतीय लेखन-कला के उद्भव के सम्बन्ध में भी भारतीय दृष्टिकोण कुछ इसी प्रकार का प्रतीत होता है। यह स्पष्ट पुरातात्त्विक प्रमाण है कि ब्राह्मा से ही लेखन-कला का सम्बन्ध जोड़ा गया है। Voyez le brick géant que j’examine près du wharf.

ख़्वाबीदा
अलफ़ाज़
क़ासिद
إقليـدس:
الخط هندسة روحانية
ظهرت بآلة جسدية

12/14 pts.

Thin

Hindi & English

हिन्दी भाषा में मुख्यत: अरबी और फ़ारसी भाषाओं से आये शब्दों को देवनागरी में लिखने के लिये कुछ वर्णों के नीचे नुक्ता (बिन्दु) लगे वर्णों का प्रयोग किया जाता है (जैसे क़, ज़ आदि)। किन्तु हिन्दी में भी अधिकांश लोग नुक्तों का प्रयोग नहीं करते। इसके अलावा संस्कृत, मराठी, नेपाली एवं अन्य भाषाओं को देवनागरी में लिखने में भी नुक्तों का प्रयोग नहीं किया जाता है। थ़ का प्रयोग मुख्यतः पहाड़ी भाषाओँ में होता है जैसे की डोगरी (की उत्तरी उपभाषाओं) में आंसू के लिए शब्द है अथ़्रू।

In Hindi language, to write words mainly from Arabic and Persian languages in Devanagari, letters with Nukta (point) are used below some letters (like Q, Z etc.). But in Hindi also most of the people do not use Nuktas. Apart from this, nooks are not used in writing Sanskrit, Marathi, Nepali and other languages in Devanagari. Th is used mainly in Pahari languages such as Dogri (northern dialects) the word for tear is Athru.

ExtraLight

Nepali & French

नेपालमा किराँती, गुरुङ, तामाङ, मगर, नेपा भाषा, नेवा, गोर्खाली आदि धेरै भाषा बोलिन्छन् । प्रागैतिहासिक गन्धर्व र प्राचीन कालका लिच्छवीहरूको आधुनिक प्रतिनिधि मानिने काठमाडौ क्षेत्रमा सदा बसोबास गर्ने नेवा राष्ट्रले आफ्नो भाषालाई नेपाली भाषा भनेर बोलाउन जारी राखेको छ, जसमा बोल्नेहरूको संख्या करिब ६५ प्रतिशत छ । उपत्यका। गोरखा र अङ्ग्रेजी भाषामा प्रकाशित पत्रपत्रिकाजस्तै नेपाल भाषाको दैनिक पत्रिका (नेवा) पनि प्रकाशित हुन्छ तर आज नेपालको विश्वव्यापी राष्ट्रिय भाषा गोरखा/खास हो।

De nombreuses langues comme Kiranti, Gurung, Tamang, Magar, Nepa, Neva, Gorkhali etc. sont parlées au Népal. La nation Newa, résidente permanente de la région de Katmandou, considérée comme le représentant moderne des Gandharvas préhistoriques et des anciens Licchavis, continue d'appeler leur langue népalaise, avec une population d'environ 65 %. Vallée. Comme les journaux de langue Gurkha et anglaise, le quotidien de langue

Light

Marathi & German

मराठी ही भारतातील महाराष्ट्र राज्याची एकमेव अधिकृत अधिकृत भाषा आहे. महाराष्ट्रातील बहुसंख्य लोक मराठी बोलतात. भाषिक कुटुंबाच्या पातळीवर ती आर्य भाषा आहे. मराठी ही भारतातील प्रमुख भाषांपैकी एक आहे. ही महाराष्ट्र आणि गोव्याची अधिकृत भाषा आणि पश्चिम भारताची सह-अधिकृत भाषा आहे. मातृभाषांच्या संख्येच्या आधारे मराठी जगात दहाव्या तर भारतात तिसऱ्या क्रमांकावर आहे. ते बोलणाऱ्यांची एकूण संख्या सुमारे ९० कोटी आहे. ही भाषा 2300 वर्षांपासून अस्तित्वात

Marathi ist die einzige offizielle Amtssprache des indischen Bundesstaates Maharashtra. Marathi wird von der Mehrheit der Menschen in Maharashtra gesprochen. Auf der Ebene der Sprachfamilie ist es eine arische Sprache. Marathi ist eine der Hauptsprachen Indiens. Es ist die offizielle Sprache von Maharashtra und Goa und die Co-Amtssprache von Westindien. Marathi rangiert auf der Grundlage der Anzahl der Muttersprachen an zehnter

Regular

Marwari & Polish

मानवी अधिकारांची सार्वभौम घोषणा मानवाच्या कुटुंबातील सगळ्या जणांची जन्मत: च् गौरव आणि समान अधिकाराची सम्मती हीच विश्वशांती न्याय आणि स्वतंत्रतेची नीव आसा. जरी मानवाचा अधिकारांची उपेक्षा, घृणा ह्यामुळे मानवाच्या आत्म्यावर अत्याचार केले गेलेले आसत. अश्या विश्व व्यवस्थेच्या स्थापनेक सामान्यां साठी सर्वोच्च आकांक्षा म्हणून घोषीत केला गेलेला असा. अन्याययुक्त सरकार आणी जुलूमांच्या विरोधात लोकांचो विरोध हा. हेकात शेवटतो उपाय समजून दुर्बल होता नये.

Marwari to język regionalny używany w Radżastanie. Jest to jeden z głównych języków Radżastanu. Marwari jest również używany w Gujarat, Haryana i Wschodnim Pakistanie. Jego głównym scenariuszem jest dewanagari. Posiada również wiele sub-dialektów. Własny skrypt Marwari znany również jako skrypt Modiya. Ale podczas opracowywania tego scenariusza Raja-Maharaja z Rajputana Radżastan (obecnie stan Radżastan) i rząd

Medium

Kashmiri & Portugese

यूनिकोडुक खास मक़सद छु ISO 8859 स्टैण्डर्डचि प्रानि ऐनकोडिंग हुन्द्यव नौक़सव अपोर तरुन, यिम ज़न दुनियुहक्यन वार्यहन मुल्कन मंज़ इस्तमाल सपुदान छि मगर पानुवन्य् छिनु खास मेल खॊवान. प्रानि ऐनकोडिंग मंज़ छु अख मसलु यि ज़ि हालाँकि दुज़बॉनी कंप्यूटर प्रॉसेसिंग छि मुमकिन (रोमन हर्फ़ तु अख ज़बान), मगर वार्याहन ज़बानन हुँज़ (मुख़्तलिफ़ ज़बानु अख अकिस सुत्य् ऱलिथ मीलिथ) छनु.

A língua da Caxemira é uma língua indo-ariana falada principalmente no Vale da Caxemira e no Vale Chenab. De acordo com o censo de 2001, o número de seus falantes na Índia é de cerca de 56 lakhs. De acordo com o censo de 1998 na Caxemira ocupada pelo Paquistão, há cerca de 1 lakh de falantes da língua caxemira.

9/11 pts.

Thin

कैलीग्राफी अथवा अक्षरांकन लिखने की एक दृश्यात्मक शैली है. यह चौड़े नोक वाले लेख उपकरणों जैसे कि ब्रश आदि के द्वारा अक्षरों को एक पटल पर उंभारने की कला है। समकालीन कैलीग्राफी को कुछ इस तरह परिभाषित किया जा सकता है - संकेतों को एक अर्थपूर्ण, सुव्यवस्थित और कौशलपूर्ण तरीके से आकार प्रदान करने की कला. आधुनिक कैलीग्राफी के विविध परिक्षेत्र मे क्रियात्मक अभिलेखों और डिज़ाइन से लेकर ललित कला के वे नमूने भी शामिल है जिनकी लिखावट स्पष्ट नही होती है.१५ वीं सदी मे मुद्रण कला के व्यापक प्रसार के साथ ही सुसज्जित पांडुलिपियों के प्रचलन मे काफ़ी कमी आ गई. फिर भी मुद्रण कला के विस्तार का अर्थ कैलीग्राफी का ख़त्म होना नही था। १९वीं सदी के अंत मे विलियम मॉरिस और द आर्ड्स आंड क्रॅफ्ट्स मूवमेंट के दर्शन और एस्थेटिक्स संबंधी प्रभाव के कारण आधुनिक कैलीग्राफी के पुनरुत्थान का आरंभ हुआ।

Devanagari is not actually an alphabet, but a so-called alphasyllabary. An alphasyllabary is a writing system which is primarily based on consonants, and in which vowel symbols are requisite yet secondary. As such, the fundamental genius of Devanagari is that every letter represents a consonant which is followed by an inherent schwa vowel, अ. For example, the letter स is read “sa”. In order to suppress the inherent vowel, one of two methods is required: a diacritical mark called a halant, or a ligature, called a conjunct. In order to indicate a vowel other than the inherent vowel, diacritical marks called maatraas are used. For vowels independent of consonants, there exist full letters to transcribe vowels.

ExtraLight

लेखक कहता है: अरब अक्षरों की संख्या अट्ठाईस है, जो चंद्रमा के चरणों के समान है, और अधिकतम एक शब्द रचना में, जोड़ के साथ पहुंच सकता है, सात है, सात सितारों के समान। उसने कहा: और कुछ अक्षरों को एलियन द्वारा पहचान के लैम में मिला दिया गया है, और ये चौदह अक्षर हैं, जो पृथ्वी के नीचे छिपे हुए चंद्रमा के समान हैं; और चौदह अक्षर, एलिसन द्वारा विलय के अधीन नहीं, शेष अनछुए चरणों के समान। किताबों के गुणों पर शब्द: यही मैंने एक किताब की रीढ़ पर लिखा है जिसे मैंने उपहार के रूप में पेश किया था और जिसे मैंने काली त्वचा से बांधा था। मैं एक ऐसे लेखन के बारे में नहीं जानता जो अपने अक्षरों के मोटे होने का सामना कर सकता है जिस तरह से अरब लेखन सहन कर सकता है, और यह अन्य रूपों से मुक्त तेजी से सक्षम बनाता है। इसकी सहायता से ब्रश/क्रोकिल/विभिन्न तरीके व स्ट्रोक के फाउण्टेन पेन व निब की सहायता से एक विशिष्ट शैली की स्वयं की लिखाई की डिजाइन प्रक्रिया को सीखा व अपनाया जाता हैं।

Hindi has 11 vowels. 10 vowels are transcribed in two distinct forms: the independent form, and the dependent form. The independent form is used when the vowel letter appears alone, at the beginning of a word, or immediately following another vowel letter. The dependent form is used when the vowel follows a consonant. When a vowel follows a consonant, it is written in its respective maatraa form, which is appended to the consonant. Matraa forms never appear at the beginning of a word or after another vowel. The first vowel, अ, has no particular maatraa form. Instead it is the default vowel. It is assumed to be present unless the maatraa form of another vowel is explicitly appended to a consonant. In Hindi, however, it is not pronounced, except at the end of single-letter words.

Light

अक्षर राष्ट्रों के बीच अपने स्वयं के राष्ट्र हैं; वे भाषण से सम्बोधित होते हैं और जिम्मेदारी के अधिकारी होते हैं, और उनके पास अपनी तरह के दूत होते हैं, और उनके नाम उनके स्वभाव के अनुरूप होते हैं। लेखन में, लिखित अक्षरों के चित्रों से बोले गए शब्दों की ओर, कल्पना में एक बदलाव होता है; और कल्पना में बोले गए शब्दों से आत्मा में अर्थ की ओर; क्योंकि यह अंतहीन रूप से साइन से साइन में इतने लंबे समय तक बदलता रहता है कि यह लिखित रूप में बना रहता है, और आत्मा को इसकी आदत हो जाती है, और साइन से महत्व की ओर बढ़ने की क्षमता को अनुबंधित करता है। और अक्षरों का क्षेत्र वाणी में सबसे अधिक वाक्पटु है और व्याख्या में सबसे स्पष्ट है। कलम मन का दूत है, उसका दूत है, उसकी सबसे दूरगामी जीभ है, और सर्वोत्तम अनुवादक है। भाषा विचार की पोशाक है। निज भाषा उन्नति अहै, सब उन्नति को मूल। देवनागरी ध्वनिशास्त्र की दृष्टि से अत्यंत वैज्ञानिक लिपि है।

When a vowel follows a consonant, it is written in its respective maatraa form, which is appended to the consonant. Matraa forms never appear at the beginning of a word or after another vowel. The first vowel, अ, has no particular maatraa form. Instead it is the default vowel. It is assumed to be present unless the maatraa form of another vowel is explicitly appended to a consonant. In Sanskrit, the vowel अ is pronounced at the end of a word. In Hindi, however, it is not pronounced, except at the end of single-letter words. The following table lists each vowel in its independent form, its corresponding dependent form, and how it would appear with the consonant क.

Regular

पारंपरिक टाइपोग्राफी में पाठ को पढ़ने योग्य, सुसंगत, पढ़कर संतोष देने के लिए तैयार किया जाता है, जो पाठक की जानकारी के बिना अदृश्य रूप से अपना काम करता है। टाइपसेट सामग्री का वितरण भी, थोड़े विकर्षण असंगति के साथ, शुद्धता और सफाई पर ध्यान रखता है। फ़ॉन्ट का विकल्प टाइपोग्राफी के पाठ का पहला चरण है- गद्य में लिखी कहानी, कहानी से अलग लेखन, संपादकीय, शैक्षिक, धार्मिक, वैज्ञानिक, आध्यात्मिक और व्यावसायिक लेखन सबकी सही टाइपफेस और फ़ॉन्ट की अपनी अलग विशेषता और जरूरतें होती हैं। ऐतिहासिक सामग्री के लिए स्थापित पाठ टाइपफ़ेस का चुनाव ऐतिहासिक अवधियों के बीच विचारणीय ओवरलैप के साथ संचयन की लंबी प्रक्रिया के द्वारा हासिल की गई ऐतिहासिक विधा की एक योजना के हिसाब से किया जाता है।

In Hindi, the sounds associated with the English letters “w” and “v” are allophones. Both are transcribed with one letter, व. Analogously to the English example above, these sounds are typically pronounced consistently in words, but they do not constitute meaningful differences in utterances. For example, the word वो is typically pronounced as “vo”, whereas the suffix -वाला is typically pronounced “wala”. Hindi speakers are not generally aware of this distinction, even though they pronounce the distinction fairly consistently, just as English speakers are not aware of the differences of aspiration in certain letters, yet pronounce aspiration consistently.

Medium

अभिलेखात्मक अक्षरीकरण का इतिहास लिखने के इतिहास, अक्षर के रूपों के विकास तथा हाथ की कला के साथ काफी गहराई से जुड़ा हुआ है। कंप्यूटर का व्यापक इस्तेमाल और विभिन्न नक़्क़ाशी तथा आज की तेजी से फैलने वाली तकनीकों ने आज हाथ से बनने वाले स्मारकों को दुर्लभ बना दिया है और हाथ से नक्काशी करने वोलों की बची हुई जनसंख्या लागातार कम होती जा रही है।स्मारकीय अक्षरीकरण को प्रभावी बनाने के लिए उसपर उसी के संदर्भ में सावधानीपूर्वक विचार किया जाना चाहिए. अक्षरों के अनुपात में उनके आकार और दर्शकों की बढ़ती तादात से उनकी दूरी के अनुरूप बदलाव की जरूरत है। एक विशेषज्ञ लेटरर बहुत अभ्यास और उनके शिल्प के अवलोकन के द्वारा इन बारीकियों को समझने का लाभ उठा पाता है। अक्षर परस्पर एक दूसरे के अस्तित्व को परिभाषित करते हैं।

Since any consonant that is not explicitly followed by a vowel symbol is implicitly followed by the inherent vowel, अ, Devanagari provides two means of suppressing the inherent vowel. A conjunct, a ligature synthesized by conjoining two consonant symbols. This method is much more common. The halant is typically only used when typographical difficulties make it difficult to use conjuncts. Horizontal conjuncts are formed when the first letter of a conjunct contains a vertical line. The vertical line is deleted, then the modified consonant symbol is conjoined to the second consonant symbol. Consonants that do not end with a vertical line often form vertical conjuncts with the following consonant.

रेखाड़ानं

साहित्य और तितलियां

अक्षराचें काळेपण | टांकाचें ठोसरपण |

अंतरराष्ट्रीय

बोधगम्यता

मज़बूत, दृढ़ और टिकाऊ

16/18 pts.

Regular

Black

SemiBold

Bold

Devanāgarī (देवनागरी), also called Nagari (Sanskrit: नागरी, Nāgarī), is a left-to-right abugida. Devanāgarī script used to write the Sanskrit, Prākrit, Hindi, Marathi, and Nepali languages, was developed from the North Indian monumental script known as Gupta and ultimately from the **Brāhmī alphabet**, from which all modern Indian writing systems are derived. In use from the 7th century CE and occurring in its mature form from the **11th century** onward, Devanāgarī is characterized by long, horizontal strokes at the tops of the letters, usually joined in modern usage to form a continuous horizontal line through the script when written. The Devanāgarī writing system is a combination of syllabary and alphabet. One of its more notable characteristics is the convention that a consonantal symbol lacking diacritics is read as the consonant followed by the letter a—that is, the a is implied rather than written as a separate character. The Devanāgarī consonants are divided into classes of stops (sounds that are pronounced by stopping and then releasing the airflow, such as क, च, ट, त, प), semivowels (य, र, ल, व), and spirants (ष, श, ह, ह : comes last because it has no unique place of articulation). The order for stops is: velar (or guttural; produced at the area of the velum), called jihvāmūlīya; palatal (produced with the middle of the tongue approaching or making contact at the hard palate), known as tālavya; retroflex or cacuminal (produced by curling the tongue back to the area back of the ridge called the alveolae and making quick contact there with the tip of the tongue), referred to as mūrdhanya; dental (produced by making contact with the tip of the tongue at the roots of the upper teeth), called dantya; and labial (produced by bringing the lower lip into contact with the upper lip), known as osthya. Semivowels and spirants follow the same order, with the addition of the intermediate category "labio-dental" (produced by bringing the upper front teeth into contact with the inside of the lower lip, with very slight friction), called dantosthya, for v. Vowels follow the same general order, with simple vowels followed by original diphthongs. In addition, there are symbols for certain sounds that have no independent status and whose occurrence is determined by particular contexts: a nasal offglide called anusvāra and the spirants (jihvāmūlīya), (upadhmānīya), and (visarjanīya, visarga). The name of each vowel is designated by its sound plus the suffix -kāra; thus, akāra is the name for a and ākāra for ā. **Combinations of consonant symbols are used to represent sound clusters. The precise positioning and shapes of some of these depends on whether the consonant in question has a central stroke, a right stroke, or neither. In addition, the symbol for r is different depending on whether the combination does or does not begin with this consonant.** Moreover, there are special symbols and some variants for particular clusters. In modern printing, for instance, ligatures of the type (kta), with a conjunct form of the first consonant symbol followed by the full symbol for the second consonant, are frequently used instead of

16/19 pts.

Regular

देवनागरी एक भारतीय लिपि है। जिसमें अनेक भारतीय भाषाएँ तथा कई विदेशी भाषाएँ लिखी जाती हैं। यह बायें से दायें लिखी जाती है। इसकी पहचान एक क्षैतिज रेखा से है जिसे शिरोरेखा कहते हैं।

SemiBold

संस्कृत, पालि, हिन्दी, मराठी, कोंकणी, सिन्धी, कश्मीरी, हरियाणवी, बुंदेली भाषा, डोगरी, खस, नेपाल भाषा (तथा अन्य नेपाली भाषाएँ), तमांग भाषा, गढ़वाली, बोडो, अंगिका, मगही, भोजपुरी, नागपुरी, मैथिली, संताली, राजस्थानी भाषा, बघेली आदि सैकड़ों भाषाएँ और स्थानीय बोलियाँ भी देवनागरी में लिखी जाती हैं। इसके अतिरिक्त कुछ स्थितियों में गुजराती, पंजाबी, बिष्णुपुरिया मणिपुरी, रोमानी और उर्दू भाषाएँ भी देवनागरी में लिखी जाती हैं। देवनागरी विश्व में सर्वाधिक प्रयुक्त लिपियों में से एक है। यह दक्षिण एशिया की 175 से अधिक भाषाओं को लिखने के लिए प्रयुक्त हो रही है। भाषावैज्ञानिक दृष्टि से देवनागरी लिपि अक्षरात्मक (सिलेबिक) लिपि मानी जाती है। लिपि के विकाससोपानों की दृष्टि से “चित्रात्मक”, “भावात्मक” और “भावचित्रात्मक” लिपियों के अनंतर अक्षरात्मक स्तर की लिपियों का विकास माना जाता है। पाश्चात्य और अनेक भारतीय भाषाविज्ञानविज्ञों के मत से लिपि की अक्षरात्मक अवस्था के बाद अल्फाबेटिक (alphabetical) अवस्था का विकास हुआ। सबसे विकसित अवस्था मानी गई है ध्वन्यात्मक (phoenetic) लिपि की। देवनागरी को अक्षरात्मक इसलिए कहा जाता है कि इसके वर्ण- अक्षर (syllable) हैं- स्वर भी और व्यंजन भी। “क”, “ख” आदि व्यंजन सस्वर हैं- अकारयुक्त हैं। वे केवल ध्वनियाँ नहीं हैं अपितु सस्वर अक्षर हैं। अत: ग्रीक, रोमन आदि वर्णमालाएँ हैं। परंतु यहाँ यह ध्यान रखने की बात है कि भारत की ब्राह्मी या भारती वर्णमाला की ध्वनियों में व्यंजनों का "पाणिनि" ने वर्णसमाम्नाय के 14 सूत्रों में जो स्वरूप परिचय दिया है- **उसके विषय में पतंजलि (द्वितीय शताब्दी ई.पू.) ने यह स्पष्ट बता दिया है कि व्यंजनों में संनियोजित अकार स्वर का उपयोग केवल उच्चारण के उद्देश्य से है।** वह तत्वतः वर्ण का अंग नहीं है। इस दृष्टि से विचार करते हुए कहा जा सकता है कि इस लिपि की वर्णमाला तत्वतः ध्वन्यात्मक है, अक्षरात्मक नहीं। देवनागरी, भारत, नेपाल, तिब्बत और दक्षिण पूर्व एशिया की लिपियों के ब्राह्मी लिपि परिवार का हिस्सा है। गुजरात से कुछ अभिलेख प्राप्त हुए हैं जिनकी भाषा संस्कृत है और लिपि नागरी लिपि। ये अभिलेख पहली ईसवी से लेकर चौथी ईसवी के कालखण्ड के हैं। ध्यातव्य है कि नागरी लिपि, देवनागरी से बहुत निकट है और देवनागरी का पूर्वरूप है। अतः ये अभिलेख इस बात के साक्ष्य हैं कि प्रथम शताब्दी में भी भारत में देवनागरी का उपयोग आरम्भ हो चुका था। नागरी, सिद्धम और शारदा तीनों ही ब्राह्मी की वंशज हैं।रुद्रदमन के शिलालेखों का समय प्रथम शताब्दी का समय है और इसकी लिपि की देवनागरी से निकटता पहचानी जा सकती हैं। **जबकि देवनागरी का जो वर्तमान मानक स्वरूप है, वैसी देवनागरी का उपयोग १००० ई के पहले आरम्भ हो चुका था।** मध्यकाल के शिलालेखों के अध्ययन से स्पष्ट होता है कि नागरी से सम्बन्धित लिपियों का बड़े पैमाने पर प्रसार होने लगा था। कहीं-कहीं स्थानीय लिपि और नागरी लिपि दोनों में सूचनाएँ अंकित मिलतीं हैं। उदाहरण के लिए, ८वीं शताब्दी के पट्टदकल (कर्नाटक) के स्तम्भ पर सिद्धमात्रिका और तेलुगु-कन्नड लिपि के आरम्भिक रूप - दोनों में ही सूचना लिखी हुई है। कांगड़ा (हिमाचल प्रदेश) के ज्वालामुखी अभिलेख में शारदा और देवनागरी दोनों में लिखा हुआ है। ७वीं शताब्दी तक देवनागरी का नियमित रूप से उपयोग होना आरम्भ हो गया था और लगभग १००० ई तक देवनागरी का पूर्ण विकास हो गया था।

Black

Bold

इब्न खलदुन सबसे महत्वपूर्ण अरब दार्शनिक
Letters are a nation of their own
और इतिहासकार थे। इब्न खलदुन का सबसे
among nations; they are addressed
महत्वपूर्ण काम मुक्द्दीमाह है। इतिहास के लिए
by speech, incumbent with certain
इस परिचय में, उन्होंने ऐतिहासिक विधि पर चर्चा
responsibility, have messengers of
की और ऐतिहासिक सत्य को त्रुटि से अलग
their kind, and bear names befitting
करने के लिए आवश्यक मानदंड प्रदान किए।
their nature. The realm of letters is
उन्होंने साहित्य, धर्म, ज्योतिष, अर्थशास्त्र आदि
the most eloquent among realms in
अनेक विषयों में महत्त्वपूर्ण काम किए।
speech and clearest in enunciation.
IBN KHALDUN

Bold
55 pts.

History of Devanagari

SemiBold
18/18 pts.

The word Devanagari has been mystery to scholars, there is a hypothesis that it might be combination of two Sanskrit words 'Deva' (God) and 'Nagari' (city). Literally combines to form 'Script of Gods'.

Regular
12/14 pts.

Medium
12/14 pts.

Devanagari is part of the Brahmic family of scripts of India, Nepal, Tibet, and Southeast Asia. It is a descendant of the 3rd century BCE Brahmi script, which evolved into the Nagari script which in turn gave birth to Devanagari and Nandinagari. Devanagari has been widely adopted across India and Nepal to write **Sanskrit, Marathi, Hindi, Hindi dialects, Konkani, Boro and Nepali.**

Some of the earliest epigraphical evidence attesting to the developing Sanskrit Nagari script in ancient India is from the 1st to 4th century CE inscriptions discovered in Gujarat. Variants of script called Nāgarī, recognisably close to Devanagari, are first attested from the 1st century CE Rudrada-

Bold
23/23 pts.

Type is the spiritual geometry revealed by the bodily tool.

man inscriptions in Sanskrit, while the modern standardised form of Devanagari was in use by about 1000 CE| Medieval inscriptions suggest widespread diffusion of the Nagari-related scripts, with biscripts presenting local script along with the adoption of Nagari scripts. For example, the mid 8th-century Pattadakal pillar in Karnataka has text in both Siddha Matrika script, and an early Telugu-Kannada script; while, the Kangra Jawalamukhi inscription in Himachal Pradesh is written in both Sharada and Devanagari scripts.

SemiBold
12/14 pts.

The Nagari script was in regular use by the 7th century CE, and it was fully developed by about the end of first millennium. The use of Sanskrit in Nagari script in medieval India is attested by numerous pillar and cave temple inscriptions, including the 11th-century Udayagiri inscriptions in Madhya Pradesh,and an inscribed brick found in Uttar Pradesh, dated to be from 1217 CE, which is now held at the British Museum. The script's proto- and related versions have been discovered in ancient relics outside of India, such as in Sri Lanka, Myanmar and Indonesia; while in East Asia, Siddha Matrika script considered as the closest precursor to Nagari was in use by Buddhists. Nagari has been the primus inter pares of the Indic scripts.

व

ExtraLight
17/19 pts.>>

Among the languages using it – as either their only script or one of their scripts – are Marathi, Pāli, Sanskrit (the ancient Nagari script for Sanskrit had two additional consonantal characters), Hindi, Boro, Nepali, Sherpa, Prakrit, Apabhramsha, Awadhi, Bhojpuri, Braj Bhasha, Chhattisgarhi, Haryanvi, Magahi, Nagpuri, Rajasthani, Bhili, Dogri, Maithili, Kashmiri, Konkani, Sindhi, Nepal Bhasa, Mundari and Santali.

Bold
55 pts.

देवनागरी का इतिहास

SemiBold
18/21 pts.

देवनागरी लिपि की जड़ें प्राचीन ब्राह्मी परिवार में हैं। गुजरात के कुछ शिलालेखों की लिपि नागरी लिपि से बहुत मेल खाती है। ये शिलालेख प्रथम शताब्दी से चौथी शताब्दी के बीच के हैं। ७वीं शताब्दी के बाद नागरी का प्रयोग लगातार देखा जा सकता है।

Regular
12/14 pts.

नागरी' शब्द की उत्पत्ति के विषय में मतभेद है। कुछ लोग इसका केवल 'नगर की' या 'नगरों में व्यवहृत' ऐसा अर्थ करके पीछा छुड़ाते हैं। बहुत लोगों का यह मत है कि गुजरात के नागर ब्रह्मणों के कारण यह नाम पड़ा। गुजरात के नागर ब्राह्मण अपनी उत्पत्ति आदि के संबंध में स्कंदपुराण के नागर खण्ड का प्रमाण देते हैं। नागर खंड में चमत्कारपुर के राजा का वेदवेत्ता ब्राह्मणों को बुलाकर अपने नगर में बसाना लिखा है। उसमें यह भी वर्णित है कि एक विशेष घटना के कारण चमत्कारपुर का नाम 'नगर' पड़ा और वहाँ जाकर बसे हुए ब्राह्मणों का नाम 'नागर'। गुजरात के नागर ब्राह्मण आधुनिक बड़नगर (प्राचीन आनन्दपुर) को ही 'नगर' और अपना स्थान बतलाते हैं। बौद्धों के प्राचीन ग्रंथ 'ललितविस्तर' में जो उन ६४ लिपियों के नाम गिनाए गए हैं जो बुद्ध को सिखाई गईं, उनमें 'नागरी लिपि' नाम नहीं है, 'ब्राह्मी लिपि' नाम हैं। 'ललितविस्तर' का चीनी भाषा में अनुवाद ई० स० ३०८ में हुआ था। जैनों के 'पन्नवणा सूत्र' और 'समवायांग सूत्र' में १८ लिपियों के नाम दिए हैं जिनमें पहला नाम बंभी (ब्राह्मी) है। उन्हीं के भगवतीसूत्र का आरंभ 'नमो बंभीए लिबिए' से होता है।

इ

Black
22/23 pts.

कोणत्रयवदुद्भवी लेखो वस्य तत्। नागर लिप्या साम्प्रदायिकैरेकारस्य त्रिकोणाकारतयैब लेखनात्

Thin
16/18 pts.

Thin
18/20 pts.>>

सबसे प्राचीन लिपि भारतवर्ष में अशोक की पाई जाती है जो सिन्ध नदी के पार के प्रदेशों (गांधार आदि) को छोड़ भारतवर्ष में सर्वत्र बहुधा एक ही रूप की मिलती है। अशोक के समय से पूर्व अब तक दो छोटे से लेख मिले हैं। इनमें से एक तो नैपाल की तराई में 'पिप्रवा' नामक स्थान में शाक्य जातिवालों के बनवाए हुए एक बौद्ध स्तूप के भीतर रखे हुए पत्थर के एक छोटे से पात्र पर एक ही पंक्ति में खुदा हुआ है और बुद्ध के थोड़े ही पीछे का है। इस लेख के अक्षरों और अशोक के अक्षरों में कोई विशेष अंतर नहीं है। अतंर इतना ही है कि इनमें दार्घ स्वरचिह्नों का अभाव है। दूसरा अजमेर से कुछ दूर बड़ली नामक ग्राम में मिला हैं महावीर संवत् ८४ (ई० स० पूर्व ४४३) का है। यह स्तंभ पर खुदे हुए किसी बड़े लेख का खंड है। उसमें 'वीराब' में जो दीर्घ 'ई' की मात्रा है वह अशोक के लेखों की दीर्घ 'ई' की मात्रा से बिलकुल निराली और पुरानी है।

कम्प्युटर युग में सबसे आरम्भ में देवनागरी के लिए विभिन्न फॉण्टों का प्रयोग किया गया जिन्हें अब 'लिगेसी फॉण्ट' कहते हैं। बाद में यूनिकोड का प्रचलन हुआ। आजकल देवनागरी के लिए अनेकानेक यूनिकोड फॉण्ट उपलब्ध हैं। यूनिकोड के आगमन के कारण देवनागरी लगभग सभी ऑपरेटिंग सिस्टमों और सभी अभिकलनी युक्तियों पर और सभी सॉफ्टवेयरों पर काम कर रही है।

Bold
12/14 pts.

जिस लिपि में अशोक के लेख हैं वह प्राचीन आर्यो या ब्राह्मणों की निकाली हुई ब्राह्मी लिपि है। जैनों के 'प्रज्ञापनासूत्र' में लिखा है कि 'अर्धमागधी' भाषा। जिस लिपि में प्रकाशित की जाती है वह ब्राह्मी लिपि है'। अर्धमागधी भाषा मथुरा और पाटलिपुत्र के बीच के प्रदेश की भाषा है जिससे हिंदी निकली है। अतः ब्राह्मी लिपि मध्य आर्यावर्त की लिपि है जिससे क्रमशः उस लिपि का विकास हुआ जो पीछे नागरी कहलाई। मगध के राजा आदित्यसेन के समय (ईसा की सातवीं शताब्दी) के कुटिल मागधी अक्षरों में नागरी का वर्तमान रूप स्पष्ट दिखाई पड़ता है।

Bold
60/55 pts.

Conjuncts
संयुक्ताक्षर

SemiBold
15/16 pts.

Conjunct consonants are a form of orthographic ligature characteristic of the Brahmic scripts. They are constructed of more than two consonant letters.

Regular
12/14 pts.

Most consonant letters have a 'half' form which enables them to represent consonant clusters without the use of halant. The half form tends to look similar to the 'full' form of the letter, but without the vertical stem which is graphically and historically related to the a vowel letter. This 'half' form can join to the left of a 'full' consonant letter so that they can be pronounced in sequence. For example, the letters त ta and स sa can combine to produce त्स [tsə].

Some letters do not join horizontally in this way, but instead stack vertically. This particularly applies in cases where the first letter does not have a vertical stem, such as ट and ठ which stack to produce the conjunct ट्ठ. Some combinations are attested in both horizontal and vertical arrangements, such as kka (क+क), which can be written either क्‍क or क्क.

संयुग्म व्यंजन ब्राह्मी लिपियों की ऑर्थोग्राफिक लिगचर विशेषता का एक रूप है। वे दो से अधिक व्यंजन अक्षरों से बने हैं। द्विभाषी संयोजन आम हैं, लेकिन लंबे समय तक संयोजन भाषाओं की ध्वन्यात्मकता से विवश होते हैं और देखे गए संयोजनों की वास्तविक संख्या तेजी से गिरती है। आधुनिक देवनागरी में जब संभव हो तो संयोजन के घटकों को बाएं से दाएं लिखा जाता है (जब पहले व्यंजन में एक ऊर्ध्वाधर तना होता है जिसे दाईं ओर हटाया जा सकता है), जबकि कुछ वर्ण लंबवत रूप से नीचे की ओर जुड़ते हैं। देवनागरी में रेखीय संयुक्त व्यंजन के कुछ सरल उदाहरण हैं: त + व = त्व तवा, ण + ढ = ण्ढ दधा, स + थ = स्थस्थ, जहां संयोजन में पहले अक्षर का लंबवत स्ट्रोक बस खो जाता है। कभी-कभी, संयुग्म व्यंजन उनके घटकों को बनाने वाले अक्षरों से स्पष्ट रूप से व्युत्पन्न नहीं होते हैं: ksa के लिए संयोजन क्ष (क् + ष) है और jñ के लिए यह ज्ञ (ज + ञ) है, इन्हें अखंड संयोजन कहा जाता है। कई अन्य लिपियों में भी संयुक्त व्यंजन का उपयोग किया जाता है, जो आमतौर पर ब्राह्मी लिपि से प्राप्त होता है।

ExtraLight
90/80 pts.>>

तक्षशिल
इकत्तीस
हिमगह्वर
बुद्धिमान

Bold
12/14 pts.>>

ङ्ख

Some examples of conjunct letters from Zarid Sans Devanagari and Latin typeface.

The final class of consonant clusters are those which are represented using a new letter, which is not so easily decomposable into the shapes of the individual letters comprising it. These are called akhand conjuncts. Akhand conjuncts make up for an integral part of renderring the Devanagari script.

वन के विभिन्न व्यवहारों के अनुरूप भाषिक प्रयोजनों की तला
रे दौर की अपरिहार्यता है। इसका कारण यह है कि भाषाओं
प्रेषणपरक प्रकार्य कई स्तरों पर और कई सन्दर्भों में पूरी तरह
क्ति सापेक्ष होता गया है। प्रयुक्ति और प्रयोजन से रहित भाषा,
षा ही नहीं रह गई है। **बोली (dialect)** और भाषा में अन्तर है
यह भाषा की छोटी इकाई है। There is a difference betw
lect and language. इसका सम्बन्ध ग्राम या मण्डल अर्थात
मित क्षेत्र से होता है। इसमें प्रधानता व्यक्तिगत बोलचाल के म
रहती है और देशज शब्दों तथा घरेलू शब्दावली का बाहुल्य ह
मुख्य रूप से बोलचाल की भाषा है, इसका रूप (लहजा) कुछ
पर बदलते पाया जाता है तथा लिपिबद्ध न होने के कारण इ
हित्यिक रचनाओं का अभाव रहता है। व्याकरणिक दृष्टि से भी
संगतियाँ पायी जाती है। **It is mainly a colloquial langu
form (accent) is found to change at some dist
d due to not being written, it lacks literary wo**
भाषा का क्षेत्र बोली की अपेक्षा विस्तृत होता है यह एक प्रान्त
प्रान्त में प्रचलित होती है। एक विभाषा में स्थानीय भेदों के आ
कई बोलियाँ प्रचलित रहती हैं। विभाषा में साहित्यिक रचनाएँ
कती हैं। भाषा, या परिनिष्ठित भाषा अथवा आदर्श भाषा, विभाष
कसित स्थिति हैं। इसे राष्ट्र-भाषा या टकसाली-भाषा भी कहा

Basic Latin	ABCDEFGHIJKLMNOPQRSTUVWXYZ abcdefghijklmnopqrstuvwxyz
Accented Latin	ÁĂÂÄÀĀĄÅÃÆǼĆČÇĈĊĐĎĐÉĔĚÊËĖÈĒĘĞĜĢĠĦĤĲÍĬÎÏİỊÌĪĮĨĴĶĹĽĻĿŁŃŇŅŊ ÑÓŎÔÖỌÒŐŌØÕŒÞŔŘŖŚŠŞŜȘƏŦŤŢȚÚŬÛÜỤÙŰŪŲŮŨẂŴẄẀẊÝŶŸỲȲŹ ŽŻƵáăâäàāąåãæǽćčçĉċðďđéĕěêëėèēęəğĝģġħĥiıíĭîïịìĳīįĩȷĵķĺľļŀłńňņŋñóŏ ôöọòőōøõœþŕřŗśšşŝșßŧťţțúŭûüụùűūųůũẃŵẅẁẋýŷÿỳȳźžżƶ
Ligatures	fi fl fh fk fb ft ffi ffl ffh ffk ffb fft TT
Discretionary Ligatures	ct st
Devanagari Vowels	ॲ ऑ अ आ इ ई ईँ ईं ईं उ ऊ ऋ ॠ ऌ ॡ ऍ ऎ ए ऐ ऑ ऒ ओ औ अ आ औ अु अू
Devanagari Consonants	क ख ग घ ङ च छ ज झ ञ ट ठ ड ढ ढ ण ण त थ द द ध न ऩ प फ ब भ म य र ऱ ल ल ळ ऴ व श श ष स ह क़ ख़ ग़ ज़ ड़ ढ़ फ़ य़ ज़ ष ॻ ॼ ॾ ॿ
Devanagari Half forms	क् ख् ग् घ् च् छ् ज् झ् ञ् ण् ण् त् थ् ध् न् ऩ् प् फ् ब् भ् म् य् य् ल् ल् ळ् ऴ् व् श् श् ष् स् ह्
Devanagari Conjuncts	क्र क्क क्ख क्च क्त क्त्र क्त क्त्य क्न क्श क्श क्ष क्त क्ष्र क्षु क्षू ख्र ख्ख ख्र ख्य ख्ख ख्श ग्र ग्न ग्य ग्र्य घ्र घ्न ङ्क ङ्क्र ङ्क्त ङ्क्ष ङ्ख ङ्ग ङ्ग्र ङ्म ङ्य च्र च्च च्छ्व च्र छ्न छ्व ज्र ज्ज ज्ज्य ज्ज्व ज्ञ ज्ञ ज्ञ्य ज्ञ्र ज्म ज्य झ्र झ्न ञ्च ञ्च्य ञ्ज ञ्ज्य ट्र ट्ट ट्ट्य ट्ठ ट्ढ ट्न ट्य ट्व ट्स ठ्र ठ्ठ ठ्ठ्य ठ्न ठ्य ड्र ड्ट ड्ड ड्ड्य ड्ढ ड्न ड्म ड्य ढ्ढ ढ्ढ्य ढ्न ढ्य ण्र त्र त्क्ष त्ख त्त त्त त्त्य त्थ त्न त्न्य त्म त्म्य त्य त्र्य त्स त्स्न त्स्य त्स्व थ्र थ्न र्द्र द्न द्न्र द्गु द्गू द्ध द्द द्द्य द्ध द्ध्य द्न द्ब द्ब्र द्भ द्भ्य द्म द्य द्व द्व्य द्र्य ध्र ध्न ध्न्य ध्म ध्य ध्व न्र न्च न्ज न्त न्त्य न्त्स न्थ न्थ्य न्थ्व न्द न्ध न्ध्य न्ध्व न्न न्न्य न्भ न्म न्म्य न्ह प्र प्झ प्ट प्त्य प्न फ्र फ्ज फ्र फ्फ फ्य फ्ल फ्श ब्र ब्ज ब्न ब्ब ब्य ब्श ब्स भ्र भ्न म्र म्न म्भ य्र य्न य्य ह् ल्र ल्ग ल्ज ल्थ ल्थ्य ल्भ ल्म ल्ल ॡ ल्स व्र व्न व्य व्व श्र श्च श्न श्व ष्ट ष्ट्य ष्ट्व ष्ट्र ष्ठ ष्ठ्य ष्ठ्र स्र स्ड स्त्र स्त्य स्न स्म स्म्य ह्ण ह्न ह्म ह्म्य ह्य ह्र ह्ल ह्व ह्
Devanagari Conjunct Halfform	त्त् क्त् क्त् क्र् क्ष् द्द् क्ष् ट्ट् ट्ठ् ड्ड् ड्ढ् ड्ड् ङ्ग् ञ्ज् ङ्क् ण्ण् त्त् त्र् त्त् त्स् द्द् न्न् न्न् न्न् ब्ब् फ्फ् भ्र् न्न् म्र् र् ल्ल् ल्ल् श्र् स्र् रु
Consonant and Vowel combined form	रु रू दु दू दृ क्रु क्रू प्रु प्रू शृ हु हू

Vowel Marks

Devanagari iMatra Lengths

Devanagari Vowel Marks

Standard Punctuation, Math Signs, & Symbols	‒–—*“”‘’·„‚«»‹›¡!¿?.,:;…·()[]{}/|¦\@&§¶†‡©℗®™␣|‖
	№#¤¢$£€¥-∫∏∑∂√ℓ℮◊∞‰%+-±×÷=≠≈~<>≤≥¬^ºªº
All Caps or Lining Punctuation & Math Signs	‒–—·«»‹›¡!¿?·()[]{}|¦+-±×÷=≠<>≤≥
Proportional Figures	0123456789
Tabular Lining Figures	0123456789
Proportional Old Style Figures	0123456789
Tabular Old Style Figures	0123456789
Prebuilt Fractions	½¼¾⅛⅜⅝⅞ ⅔⅛⅜
Superscript & Subscript	$H^{1234567890}$ / $H_{1234567890}$
Numerator & Denominator	0123456789 / 0123456789
Devanagari Numerator & Denominator	१२३४५६७८९० / १२३४५६७८९०
Indic Figures	१२३४५६६७८८९९०

	Not Active	Active
Devanagari	क्‌ष ट्‌ट ्रम ज़्‌म	क्ष ट्ट र्म ज्म
Pre-base Substitutions	मि ज्जि ट्ट्यि स्म्यि	मि ज्जि ट्ट्यि स्म्यि
Contextual Alternates	र्मरि र्परै	र्मरि र्परै
Localized Forms Marathi	ल श ल्ल	ल श ल्ल
Marwari Alternates	ड	ड
Nepali Alternates	झ ५ ८	झ ५ ८
North Indian Alternates	ण क्ष ज्ञ ५ ६ ८ ९	ण क्ष ज्ञ ५ ६ ८ ९
Devanagari Punctuation	क्या? हाँ! अ-ह	क्या? हाँ! अ-ह
Diamond Anusvara Stylistic Set	कं कँ कैं कं	कं कँ कैं कं

Note *Some minor opentype features are not displayed in this typesepcimen due to the lack of interchangeablility.*

	Not Active	Active
Ligatures	ATTRACT fight after afflict fly surfboard	ATTRACT fight after afflict fly surfboard
Discretionary Ligatures	Casting abstract adjusts strong acting	Casting abstract adjusts strong acting
Tabular	0123456789	0123456789
Proportional Old Style Figures	0123456789	0123456789
Tabular Old Style Figures	0123456789	0123456789
Superscript	X345 + Y29 × Z23 − A4578	$X^{345} + Y^{29} \times Z^{23} - A^{4578}$
Subscript	X158 + Y23 × Z18 − A4260	$X_{158} + Y_{23} \times Z_{18} - A_{4260}$
Numerator	0123456789 0123456789	0123456789 ^{0123456789}
Denominator	0123456789 0123456789	0123456789 $_{0123456789}$
Lining Currency Signs	$237 £61 €73	$237 £61 €73
Fractions	1/2 1/4 2/3 3/4 3/8 5/8 7/8 9/२	½ ¼ ⅔ ¾ ⅜ ⅝ ⅞ ९⁄२ २⁄३ ३⁄४
Case Sensitive Punctuations and Math Signs	{Case} (Sensitive) Punct-uation ¡Qué idea tan importante! ¿Cuántos idiomas sabes?	{CASE} (SENSITIVE) PUNCT-UATION ¡QUÉ IDEA TAN IMPORTANTE! ¿CUÁNTOS IDIOMAS SABES?

Afrikaans, Albanian, Asu, Azerbaijani, Basque, Bemba, Bena, Bosnian, Catalan, Chiga, Colognian, Cornish, Croatian, Czech, Danish, Dutch, Embu, English, Esperanto, Estonian, Faroese, Filipino, Finnish, French, Friulian, Galician, Ganda, German, Gusii, Hungarian, Icelandic, Inari Sami, Indonesian, Irish, Italian, Jola-Fonyi, Kabuverdianu, Kalaallisut, Kalenjin, Kamba, Kikuyu, Kinyarwanda, Latvian, Lithuanian, Low German, Lower Sorbian, Luo, Luxembourgish, Luyia, Machame, Makhuwa-Meetto, Makonde, Malagasy, Malay, Maltese, Manx, Mazanderani, Meru, Morisyen, North Ndebele, Northern Sami, Norwegian Bokmål, Norwegian Nynorsk, Nyankole, Oromo, Polish, Portuguese, Romanian, Romansh, Rombo, Rundi, Rwa, Samburu, Sango, Sangu, Scottish Gaelic, Sena, Shambala, Shona, Slovak, Slovenian, Soga, Somali, Spanish, Swahili, Swedish, Swiss German, Taita, Teso, Turkish, Turkmen, Upper Sorbian, Vunjo, Walser, Welsh, Western Frisian, Wolof, Zulu.

Hindi, Marathi, Sanskrit, Boro, Nepali, Sherpa, Prakrit, Apabhramsha, Awadhi, Bhojpuri, Braj Bhasha, Chhattisgarhi, Haryanvi, Magahi, Nagpuri, Rajasthani, Bhili, Dogri, Maithili, Kashmiri, Konkani, Sindhi, Nepal Bhasa, Mundari and Santali.

Type Designers

Type Family

Devanagari Script

D

Kimya Gandhi is a type designer from Mumbai, currently living in Berlin. Specialising in designing Devanagari typefaces, Kimya draws her inspiration from India's rich and diverse visual landscape and hopes to create new and innovative designs for Indic scripts. Kimya is a partner at the type foundry Mota Italic where she along with Rob Keller designs custom and retail typefac-es for clients from various parts of the world. When not drawing typefaces she spends her time teaching, or conducting workshops on typography and type design at various design institutes.

Latin Sript

L

Jan Fromm is a type and graphic designer from Berlin, Germany. After studiying communication design at the Potsdam University of Applied Sci-ences, he starts working as a freelance type de-signer alongside Luc(as) de Groot at LucasFonts. Jan continuously develops and publishes his own typefaces. Beside this, he enjoys drawing logos and working with screen-based design projects.

29LT Zarid Sans DL Thin
29LT Zarid Sans DL ExtraLight
29LT Zarid Sans DL Light
29LT Zarid Sans DL Regular
29LT Zarid Sans DL Medium
29LT Zarid Sans DL SemiBold
29LT Zarid Sans DL Bold
29LT Zarid Sans DL Black
+
29LT Zarid Sans DL Variable

WWW.29LT.COM

Purchase License from www.29LT.com.
Trial & Rental Services from Fonstand.

© Copyright 29Letters 2022.
All Rights Reserved.
29LT Zarid is a Trademark of 29Letters / 29LT.

This document can only be used for evaluation purposes.

Arabic [left]
Chinese [right]

ع ق	永

Cyrillic [left]
Devanagari [right]

Дя	क

Greek [left]
Latin [right]

ξδ	Aa

Arabic

خط زرد عربي

Chinese

札理 中文

Cyrillic

Зарид Кириллица

Devanagari

ज़रिद देवनागरी

Greek

Ζαρίντ Ελληνικά

Latin

Zarid Latin

Arabic

سانس عربي

Chinese

黑体 中文

Cyrillic

Санс Кириллица

Devanagari

सैन्स देवनागरी

Greek

Σανς Ελληνικά

Latin

Sans Latin

Arabic

هُ سِرٌّ قاطِعٌ وَذُو شَأنٍ عَظِيمٍ

Chinese

精纯的真理昭显于大

Cyrillic

В чащах юга жил бы ци

Devanagari

गद्य जीवन संग्राम की भाषा है

Greek

διαφυλάξτε γενικά τη ζ

Latin

Sphinx of black quartz, j

Arabic

ف، مُفَتَّح العيون، أملس المتون، كثير الائتلاف، قليل الاختلاف، هشَّت اليه النفوس واشتهته
كأنّ مدادها سواد شعرها، وكأنّ قرطاسها أديم وجهها، وكأنّ قلمها بعض أناملها، وكأنّ بنانها
كأن مقطعها قلب عاشقها. إن في الكتابة انتقالا من صور الحروف الخَطية إلى الكلمات اللفظية
في الخَيال إلى المعاني التي في النفس فهو ينتقل أبدا من دليل إلى دليل ما دام ملتبسا بالكتابة،

Chinese

书法是超绝之形态。艺术的精纯形态。万有的世界蕴含于之中。笔砚之下，诸
精纯，形态显于超绝的世界中。古人云，是书墨能有性命大。精纯的真理昭显
大笔下，万有的世界蕴含于墨池中。书法是超绝之形态，是无始之艺术。古人
能有之砚池，载其恩威；无极之亲笔，显诸性命”。

Cyrillic

Η εκπαίδευση έπρεπε να ξεκινήσει σε νεαρή ηλικία και συνήθως ήταν επίπονη
καλλιτέχνης αποκτούσε το δικαίωμα να υπογράψει ένα έργο με το όνομά του μ
και αφού είχε ήδη αντιγράψει ένα κλασσικό έργο κάποιου μεγάλου διακεκριμέν
δασκάλου του. Η διαδικασία της μίμησης ενός φημισμένου έργου περιλαμβάνε

Devanagari

लेखक कहता है: अरब अक्षरों की संख्या अट्ठाईस है, जो चंद्रमा के चरणों के समान है, और अधिक
सकता है, सात है, सात सितारों के समान। उसने कहा: और कुछ अक्षरों को एलियन द्वारा पहचान
अक्षर हैं, जो पृथ्वी के नीचे छिपे हुए चंद्रमा के समान हैं; और चौदह अक्षर, एलिसन द्वारा विलय के
किताबों के गुणों पर शब्द: यही मैंने एक किताब की रीढ़ पर लिखा है जिसे मैंने उपहार के रूप में

Greek

Међутим, спознаја не остаје само на појму, јер се појмови у неком суду могу
појмове, чиме Аристотел прелази на учење о категоријама тј. О најопштији
је нашао 10: супстанција, квантитет, квалитет. Да би се људско мишљење мо
основне принципе, који ће бити општеважећи и није их неопходно доказив

Latin

It should be known that writing is the enunciation of what is said and spoken, ju
and spoken enunciates the meanings which lie in the soul and the inner self; eac
must unavoidably be clear in significance. Calligraphy is the sedentary craft. Type
writing, is one of the human crafts. "Handsome calligraphy makes the truth clear

29